INTERNATIONAL FORUM FOR ENVIRONMENT, SUSTAINABILITY & TECHNOLOGY

दिव्य-भव्य-डिजिटल
एकता का महाकुम्भ

जलवायु सम्मेलन

वक्ता परिचय

16 फरवरी 2025 | प्रयागराज

वक्ता और पैनलिस्ट

योगी आदित्यनाथ

माननीय मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश

योगी आदित्यनाथ उत्तर प्रदेश के सबसे लंबे समय तक सेवा करने वाले मुख्यमंत्री हैं। गोरखपुर से पांच बार सांसद रहे, उन्होंने उत्तर प्रदेश के राजनीतिक परिदृश्य को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। मुख्यमंत्री के रूप में उन्होंने कानून-व्यवस्था, इंफ्रास्ट्रक्चर विकास और आर्थिक सुधारों पर विशेष ध्यान दिया है। उनके नेतृत्व में महाकुंभ में अब तक 50 करोड़ श्रद्धालु पवित्र संगम में स्नान कर चुके हैं।

मनोज कुमार सिंह, आईएएस

मुख्य सचिव, उत्तर प्रदेश

मनोज कुमार सिंह, आईएएस (1988 बैच, उत्तर प्रदेश कैडर) के पास मिनेसोटा विश्वविद्यालय से सार्वजनिक मामलों में मास्टर और बीएचयू से कृषि विज्ञान में डिग्री है। उन्होंने कई जिलों में जिला मजिस्ट्रेट, ग्रेटर नोएडा के सीईओ, संयुक्त सचिव (एमओईएफसीसी), और प्रमुख सचिव (शहरी विकास) सहित प्रमुख भूमिकाओं में काम किया है, नमामि गंगे और स्मार्ट सिटी जैसी प्रमुख परियोजनाओं का नेतृत्व किया है। 2024 में, वह उत्तर प्रदेश के मुख्य सचिव बने, उन्होंने यूपीईआईडीए, नोएडा/ग्रेटर नोएडा और बुंदेलखंड विकास प्राधिकरणों की भी देखरेख की।

अनिल कुमार, आईएएस

प्रमुख सचिव, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, उत्तर प्रदेश

अनिल कुमार उत्तर प्रदेश के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन विभाग के प्रमुख सचिव हैं। उन्होंने महाकुंभ 2025 के हरित पहल और प्लास्टिक मुक्त क्षेत्रों का नेतृत्व किया है।

अबूबकर सिद्दीकी पी., आईएएस

सचिव, वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, झारखंड

श्री अबूबकर सिद्दीकी पी., आईएएस (2003 बैच, झारखंड कैडर) के पास एम.ए. और एम.फिल. है। जे.एन.यू., नई दिल्ली से समाजशास्त्र में। वह वर्तमान में कृषि, पशुपालन और सहकारिता विभाग के अतिरिक्त प्रभार के साथ, झारखंड के वन, पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन विभाग के सचिव के रूप में कार्यरत हैं। उन्होंने कई जिलों के डीसी, खान आयुक्त और बीएयू के वीसी सहित प्रमुख पदों पर काम किया है। उन्हें 2015 में सर्वश्रेष्ठ कलेक्टर (चुनावी अभ्यास) के लिए राष्ट्रपति पुरस्कार मिला।

डॉ अनीता गुप्ता

क्लाइमेट, एनर्जी एंड सस्टेनेबल टेक्नोलॉजी डिवीजन (सी ई एस टी), डिपार्टमेंट ऑफ साइंस ऐंड टेक्नोलॉजी के प्रमुख और प्रौद्योगिकी, भारत सरकार

जलवायु और स्वच्छ ऊर्जा नवाचार में एक प्रतिष्ठित नेता, डॉ. अनीता गुप्ता क्लाइमेट, एनर्जी एंड सस्टेनेबल टेक्नोलॉजी डिवीजन (सीईएसटी) डीएसटी, भारत सरकार की प्रमुख हैं। 28 वर्षों से अधिक के अनुभव में उन्होंने प्रौद्योगिकी और पर्यावरण प्रबंधन में एक वैश्विक नेता के रूप में भारत के विकास की देखरेख की है। उन्होंने राष्ट्रीय पहल के माध्यम से भारत में स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र को आकार दिया, प्रमुख संस्थानों में 175 से अधिक प्रौद्योगिकी व्यवसाय अंडे सेने की मशीन को बढ़ावा दिया।

अनूप नौटियाल

संस्थापक, सोशल डेवलेपमेंट कम्युनिटीज फाउंडेशन

सामाजिक कार्यकर्ता और सोशल डेवलपमेंट फॉर कम्युनिटीज़ (एसडीसी) फाउंडेशन के संस्थापक, अनूप नौटियाल उत्तराखंड में पर्यावरणीय कार्रवाई के लिए सामुदायिक गतिशीलता गतिविधियों का नेतृत्व करते हैं। उन्होंने राज्य में प्रमुख जलवायु घटनाओं, आपदाओं और सड़क दुर्घटनाओं का दस्तावेजीकरण करने वाली पुस्तक 'मेकिंग मोलहिल्स ऑफ माउंटेन्स' का सह-संपादन किया। उनका काम उत्तराखंड और उसके बाहर मौजूद सामाजिक, विकासात्मक और पर्यावरणीय चुनौतियों को संबोधित करने में गहराई से निहित है।

अपरिमेय श्याम दास

अध्यक्ष, इस्कॉन लखनऊ

इस्कॉन लखनऊ मंदिर के अध्यक्ष अपरिमेय श्याम दास, जो भगवद गीता पर केंद्रित अपनी आध्यात्मिक बातचीत और शिक्षाओं के लिए जाने जाते हैं, अक्सर सनातन धर्म की नींव के रूप में भक्ति के महत्व पर जोर देते हैं; वह इस्कॉन समुदाय के भीतर सेमिनारों, सत्संगों और अन्य आउटरीच कार्यक्रमों के माध्यम से कृष्ण चेतना के अभ्यास को सक्रिय रूप से बढ़ावा देते हैं।

अरुण कुमार सक्सैना

माननीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), पर्यावरण, वन एवं विभाग जलवायु परिवर्तन, उत्तर प्रदेश

डॉ. अरुण कुमार सक्सेना एक भारतीय चिकित्सक और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से संबद्ध राजनीतिज्ञ हैं। वह उत्तर प्रदेश विधान सभा में बरेली निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हैं और 2012 से लगातार तीन बार विधायक चुने गए हैं। मार्च 2022 में, उन्हें उत्तर प्रदेश सरकार में वन, पर्यावरण, प्राणी उद्यान और जलवायु परिवर्तन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) के रूप में नियुक्त किया गया था। उन्होंने एम.बी. बी.एस. की उपाधि प्राप्त की है।

अरुण सुब्रमण्यन

प्रतिनिधि, श्री कांची कामकोटि पीठम

अरुण सुब्रमण्यन श्री चंद्रशेखरेन्द्र सरस्वती विश्व महाविद्यालय (SCSVMV), एनाथुर, कांचीपुरम में एक महत्वपूर्ण परियोजना से जुड़े हैं, जहां वे प्राचीन ताड़पत्र पांडुलिपियों के संरक्षण और डिजिटलीकरण पर कार्य कर रहे हैं, ताकि वे भविष्य में शोध और संदर्भ के लिए सुलभ रह सकें। उन्होंने भारत सरकार के अटल इनोवेशन मिशन के माध्यम से युवा नवाचारियों का मार्गदर्शन किया है और समग्र प्रबंधन शिक्षा के विकास के लिए विभिन्न विश्वविद्यालयों के साथ सहयोग करते हैं।

डॉ अरविन्द कुमार

संस्थापक और प्रबंध ट्रस्टी, लंग केयर फाउंडेशन

डॉ. अरविंद कुमार वर्तमान में इंस्टीट्यूट ऑफ चेस्ट सर्जरी, चेस्ट ओन्को-सर्जरी एंड लंग ट्रांसप्लांटेशन के अध्यक्ष और मेदांता रोबोटिक इंस्टीट्यूट, मेदांता अस्पताल, गुरुग्राम के अध्यक्ष हैं। वह अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), नई दिल्ली में सर्जरी के पूर्व प्रोफेसर हैं और उन्हें एम्स में सार्वजनिक सेवा में 35 वर्षों से अधिक का अनुभव है।

स्वामी आत्मश्रद्धानंद

सचिव, रामकृष्ण मिशन आश्रम, कानपुर

रामकृष्ण संप्रदाय के भिक्षु स्वामी आत्मश्रद्धानंद, रामकृष्ण मिशन आश्रम, कानपुर के सचिव हैं। वह 13 वर्षों तक बैंगलोर और मैसूर रामजृष्ण आश्रम में और 12 वर्षों तक चेन्नई रामकृष्ण मठ में रहे, इसके अलावा कोलकाता के पास बेलूर मठ में उन्होंने 2 वर्षों तक मठवासी प्रोबेशनर्स प्रशिक्षण केंद्र में पढ़ाया। वह 12 वर्षों तक आईआईटी मद्रास के विवेकानन्द स्टडी सर्कल के मार्गदर्शक रहे। वह रामकृष्ण मठ के सौ साल पुराने आध्यात्मिक और सांस्कृतिक मासिक, द वेदांत केसरी के पूर्व संपादक हैं; और अपने चिंतनशील लेखन और बोलने की शैली के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने वेदांत दर्शन और भारतीय संस्कृति को कवर करने वाली कई किताबें लिखी हैं।

अविनाश ढाकने, आईएएस

सदस्य सचिव, महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड

एक अनुभवी प्रशासक और नीति विशेषज्ञ, डॉ. अविनाश ढाकने ने पूरे महाराष्ट्र के शासन परिदृश्य में प्रमुख नेतृत्व भूमिकाएँ निभाई हैं। पशु चिकित्सा विज्ञान में पृष्ठभूमि और क्वींसलैंड विश्वविद्यालय से एमबीए के साथ, उन्होंने नगरपालिका प्रशासन से लेकर औद्योगिक विकास और पर्यावरण विनियमन तक विभिन्न क्षमताओं में काम किया है। वर्तमान में, महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के सदस्य सचिव के रूप में, वह राज्य की पर्यावरण नीतियों को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

डॉ. चंद्र भूषण

अध्यक्ष और सीईओ, इंटरनेशनल फोरम फॉर एनवायरनमेंट, सस्टेनेबिलिटी एंड टेक्नोलॉजी

चंद्र भूषण एक पर्यावरणविद् हैं जो इंटरनेशनल फोरम फॉर एनवायरनमेंट, सस्टेनेबिलिटी एंड टेक्नोलॉजी के अध्यक्ष और सीईओ हैं। उनके कार्य के दायरे में जलवायु परिवर्तन और ऊर्जा परिवर्तन से लेकर खनन प्रभावित लोगों के अधिकार और पर्यावरण प्रशासन तक वैश्विक और स्थानीय दोनों मुद्दे शामिल हैं।

प्रोफेसर चंद्रमौलि उपाध्याय

ट्रस्टी, श्री काशी विश्वनाथ मंदिर, वाराणसी

जेएम गोयनका संस्कृत महाविद्यालय के प्राचार्य और सेवानिवृत्त प्रोफेसर, प्रो. चंद्रमौली उपाध्याय वैदिक ज्योतिष के एक प्रतिष्ठित विद्वान हैं। 35 वर्षों से अधिक के शिक्षण अनुभव में उन्होंने विभागाध्यक्ष, ज्योतिष विभाग, एसवीडीवी, बी.एच.यू., वाराणसी जैसे प्रमुख प्रशासनिक और शैक्षणिक पदों पर कार्य किया है।

स्वामी चिदानन्द सरस्वती

अध्यक्ष, परमार्थ निकेतन आश्रम

एक श्रद्धेय आध्यात्मिक नेता और परमार्थ निकेतन के अध्यक्ष, स्वामी चिदानंद सरस्वती ने अपना जीवन निस्वार्थ सेवा, एकता और आध्यात्मिक ज्ञान के लिए समर्पित कर दिया। वह संस्कृत और दर्शनशास्त्र में अपनी महारत को अंतरधार्मिक सद्भाव और वैश्विक शांति को बढ़ावा देने के मिशन के साथ जोड़ते हैं। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र सहस्राब्दी विश्व शांति शिखर सम्मेलन और विश्व धर्म संसद जैसे मंचों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

गौरी सिंह

उप महानिदेशक, इंटरनेशनल रिन्यूएबल एनर्जी एजेंसी

इंटरनेशनल रिन्यूएबल एनर्जी एजेंसी की उप महानिदेशक, गौरी सिंह नवीकरणीय ऊर्जा और सतत विकास में 30 से अधिक वर्षों के अनुभव के साथ एक नीति विशेषज्ञ हैं। उन्होंने 2010 में भारत की राष्ट्रीय सौर मिशन नीति के विकास सहित वैश्विक और राष्ट्रीय ऊर्जा नीतियों को आकार देने में प्रमुख भूमिका निभाई है। उन्होंने मध्य प्रदेश में बड़े पैमाने पर नीतियों की योजना और कार्यान्वयन की देखरेख की, जिससे गरीबी कम हुई और टिकाऊ ग्रामीण समुदाय बनाने में मदद मिली।

डॉ मनीषा वी रमेश

परिषद् अध्यक्ष, अमृता विश्व विद्यापीठम

एक प्रतिष्ठित वैज्ञानिक और अकादमिक नेता, प्रोफेसर मनीषा विनोदिनी रमेश अमृता विश्व विद्यापीठम के प्रो-वाइस चांसलर (परिषद्) और अमृता स्कूल फॉर सस्टेनेबल फ्यूचर्स के डीन के रूप में कार्यरत हैं। उन्हें भूस्खलन की चेतावनी के लिए दुनिया के पहले वायरलेस सेंसर नेटवर्क सिस्टम के विकास सहित आपदा लचीलेपन में अभूतपूर्व काम के लिए विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त है।

बहन मनोरमा

वरिष्ठ संकाय सदस्य, ब्रह्माकुमारीज़

बहन बीके मनोरमा ब्रह्माकुमारीज प्रयागराज में वरिष्ठ ध्यान संकाय हैं। ब्रह्माकुमारियां एक आध्यात्मिक संगठन है जो राजयोग ध्यान को बढ़ावा देता है और सभी को अपनी आध्यात्मिक क्षमता विकसित करने का अवसर प्रदान करता है।

स्वामी मुकुंदानंद

संस्थापक, जगद्गुरु कृपालु योग ट्रस्ट

प्रसिद्ध वैदिक विद्वान और जगद्गुरु कृपालु योग के संस्थापक, स्वामी मुकुंदानंद, प्रौद्योगिकी और प्रबंधन में पृष्ठभूमि वाले एक आध्यात्मिक नेता हैं। वह JKYog नामक योग प्रणाली के संस्थापक हैं। उनकी शिक्षाएँ सरल वैज्ञानिक दृष्टिकोण का उपयोग करके शास्त्रों के ज्ञान को हमारे दैनिक जीवन में लागू करने में मदद करती हैं।

नीलांचल मिश्रा

पार्टनर एवं प्रमुखगवर्नमेंट ऐंड पब्लिक सर्विसेज (के पी एम जी)

नीलाचल मिश्रा, भारत में केपीएमजी के गवर्नमेंट एंड पब्लिक सर्विसेज (G&PS) के पार्टनर और प्रमुख हैं। वह भारत और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर राष्ट्रीय और राज्य सरकारों के लिए एक अनुभवी सलाहकार हैं। उन्होंने सार्वजनिक स्वास्थ्य, ई-गवर्नेंस और सामाजिक विकास के रूपांतरण से संबंधित परियोजनाओं का नेतृत्व किया है।

प्रबोध आचार्य

मुख्य स्थिरता अधिकारी, जेएसडब्ल्यू समूह

जेएसडब्ल्यू समूह में एक सम्मानित स्थिरता विचारक और मुख्य स्थिरता अधिकारी, श्री आचार्य इस्पात, ऊर्जा और बुनियादी ढांचे जैसे उद्योगों में व्यापार रणनीति में ईएसजी और स्थिरता को एकीकृत करने के लिए समूह के शीर्ष अधिकारियों के साथ सहयोग करते हैं। कॉर्पोरेट स्थिरता, जलवायु नीति और पर्यावरण प्रबंधन में तीन दशकों से अधिक के वैश्विक अनुभव के साथ, उन्होंने स्थायी व्यावसायिक प्रथाओं को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

राजेंद्र रत्नू, आईएएस

कार्यकारी निदेशक, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान (एनआईडीएम)

राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान (एनआईडीएम) के कार्यकारी निदेशक, श्री राजेंद्र रत्नू के पास आपदा जोखिम न्यूनीकरण और नीति कार्यान्वयन में व्यापक अनुभव है। उनके नेतृत्व में, एनआईडीएम ने आपदा जोखिम न्यूनीकरण के लिए राष्ट्रीय मंच (एनपीडीआरआर) 2023 के आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने आपदा प्रबंधन को उच्च शिक्षा और सार्वजनिक स्वास्थ्य पहल में एकीकृत किया है, जिससे लचीलापन निर्माण और मानवीय सहायता में महत्वपूर्ण योगदान मिला है।

डॉ राजेंद्र सिंह

संस्थापक, तरुण भारत संघ (भारत के जलपुरुष)

मैग्सेसे पुरस्कार विजेता जल संरक्षणवादी और पर्यावरणविद्, श्री राजेंद्र सिंह को 'भारत के जलपुरुष' के रूप में जाना जाता है। उन्होंने लगभग 12,000 जोहड़ या मिट्टी के बांध बनाने में मदद की है जो वर्षा जल को एकत्रित और संग्रहित करते हैं। उन्होंने एक दर्जन से अधिक नदियों को पुनर्जीवित किया है, जिससे राजस्थान, महाराष्ट्र और कर्नाटक के 500 सूखाग्रस्त गांवों को राहत दिलाई।

राजू नायक

सम्पादक एवं निदेशक, गोमांतक

प्रसिद्ध पत्रकार और गोमांतक के संपादक-निर्देशक, राजू नायक के पास मीडिया और प्रकाशन में चार दशकों से अधिक का अनुभव है। उन्होंने टाइम्स ऑफ इंडिया, लोकमत और इंडियन एक्सप्रेस में वरिष्ठ संपादकीय पदों पर कार्य किया है। पर्यावरण पत्रकारिता के समर्थक, उन्होंने कई संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सम्मेलनों में भाग लिया है और गोवा के खनन उद्योग पर व्यापक शोध किया है। एक भावुक लेखक और सांस्कृतिक नेता, राजू ने गोवा के साहित्यिक और कलात्मक परिदृश्य में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

रिकी केज

पर्यावरणविद और संगीतकार

रिकी केज एक भारतीय संगीतकार, पर्यावरणविद और तीन बार के ग्रैमी पुरस्कार विजेता हैं। केज को 2025 में कला के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए पद्म श्री पुरस्कार से सम्मानित किया गया। वह संयुक्त राष्ट्र के "गुडविल एंबेसडर" (UNCCD) संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी उच्च प्रोफ़ाइल समर्थक, यूनेस्को MGIEP "काइंडनेस के लिए वैश्विक एंबेसडर" और यूनिसेफ "सेलिब्रिटी सपोर्टर" के रूप में कार्य करते हैं।

आर.आर.रश्मि (सेवानिवृत्त आईएएस)

प्रतिष्ठित फेलो, द एनर्जी एंड रिसोर्सेज इंस्टीट्यूट (TERI)

तेरी के प्रतिष्ठित फेलो, रजनी रंजन रश्मि एक जलवायु नीति विशेषज्ञ और सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी हैं। 35 वर्षों की सार्वजनिक सेवा में उन्होंने पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय में विशेष सचिव का पद संभाला और पेरिस समझौते के लिए एक प्रमुख जलवायु वार्ताकार और नीति निर्माता के रूप में कार्य किया।

प्रोफेसर सचिन चतुर्वेदी

महानिदेशक, रिसर्च ऐंड इंफॉर्मेशन सिस्टम फॉर डेवलपिंग कंट्रीज (आरआईएस)

विकास अर्थशास्त्र के एक अग्रणी विशेषज्ञ, प्रोफेसर सचिन चतुर्वेदी विकासशील देशों के लिए अनुसंधान और सूचना प्रणाली (आरआईएस) के महानिदेशक हैं। वह साक्ष्य आधारित आर्थिक नीति निर्माण और दक्षिण सहयोग नेटवर्क में अग्रणी रहे हैं। उनके द्वारा लिखित/संपादित की गई 22 पुस्तकों में से, "द लॉजिक ऑफ शेयरिंग" को अंतर्राष्ट्रीय विकास सहयोग पर सर्वश्रेष्ठ पुस्तकों में से एक माना जाता है।

डॉ. सचिन एस गुन्थे

प्रोफेसर, सिविल इंजीनियरिंग विभाग, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मद्रास

एक प्रमुख वायुमंडलीय वैज्ञानिक और आईआईटी मद्रास में प्रोफेसर, डॉ. सचिन एस. गुन्थे पृथ्वी प्रणाली विज्ञान, जलवायु परिवर्तन और वायु प्रदूषण में विशेषज्ञ हैं। उनका शोध भारतीय जलवायु प्रणाली में एरोसोल की भूमिका पर केंद्रित है। इस क्षेत्र में उनके योगदान से जलवायु मॉडल में अनिश्चितताओं को कम करने में मदद मिलेगी। उनका अकादमिक नेतृत्व लेह, लद्दाख में एक केंद्रीय विश्वविद्यालय स्थापित करने में मदद कर रहा है जो जलवायु विज्ञान शिक्षा पर ध्यान केंद्रित करेगा।

डॉ साईराम भट्ट

कानून के प्रोफेसर, नेशनल लॉ स्कूल ऑफ इंडिया यूनिवर्सिटी, बेंगलुरु

डॉ साईराम भट्ट ने गोल्डन गेट यूनिवर्सिटी में सहायक संकाय और जॉर्जटाउन यूनिवर्सिटी लॉ सेंटर में विजिटिंग रिसर्चर के रूप में कार्य किया। पर्यावरण और व्यावसायिक कानून पर कई प्रकाशित कार्यों के साथ, वह कई कानून पत्रिकाओं के प्रधान संपादक भी हैं। उनका काम कानूनी विद्वता और अभ्यास को जोड़ता है, जिससे जटिल कानूनी सिद्धांत सुलभ और प्रभावशाली बनते हैं।

शालिनी मेहरोत्रा

क्षेत्र समन्वयक, हार्टफुलनेस इंस्टीट्यूट, श्री राम चंद्र मिशन

लखनऊ में हार्टफुलनेस इंस्टीट्यूट की जोनल समन्वयक शालिनी मेहरोत्रा, हार्टफुलनेस ध्यान को बढ़ावा देती हैं और व्यक्तियों को आंतरिक शांति और कल्याण की ओर मार्गदर्शन करती हैं। कमलेश डी. पटेल (दाजी) के तहत, संस्थान संतुलित जीवन के लिए आंतरिक परिवर्तन पर जोर देते हुए आध्यात्मिक ज्ञान को विज्ञान के साथ एकीकृत करता है। ग्रीन कान्हा पहल जैसी पहल के माध्यम से, यह पर्यावरण संरक्षण के लिए आध्यात्मिक सिद्धांतों को लागू करता है।

स्कंद विवेक

वरिष्ठ संपादक, दैनिक जागरण

एक कुशल हिंदी मीडिया पेशेवर, स्कंद विवेक धर के पास न्यूज़रूम प्रबंधन और संपादकीय नेतृत्व में व्यापक अनुभव है, वह उभरते मीडिया परिदृश्य में सबसे आगे रहे हैं। भारत सरकार से कृषि रिपोर्टिंग के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्तकर्ता।

डॉ. सुजाता रॉय अभिजात

एसोसिएट प्रोफेसर, दिल्ली विश्वविद्यालय

दिल्ली विश्वविद्यालय में दर्शनशास्त्र विभाग में वरिष्ठ प्रोफेसर, डॉ. सुजाता रॉय अभिजात पर्यावरण नैतिकता, लिंग अध्ययन और सामाजिक दर्शन में विशेषज्ञता वाली एक प्रतिष्ठित विद्वान हैं। वह एक विपुल लेखिका हैं जिन्होंने कई किताबें प्रकाशित की हैं जो पर्यावरण चेतना, नैतिकता और आध्यात्मिकता के अंतर्संबंधों का पता लगाती हैं। वह महत्वपूर्ण सरकारी परियोजनाओं के लिए पर्यावरण सलाहकार भी रही हैं, जिसमें विश्व बैंक के साथ महत्वपूर्ण भागीदारी भी शामिल है।

सुशांत शर्मा, आईएफएस

सचिव, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, उत्तर प्रदेश

श्री सुशांत शर्मा भारतीय वन सेवा, उत्तर प्रदेश कैडर के एक प्रतिष्ठित अधिकारी हैं। उनके पास बी.एस.सी. है। आईआईएफएम, भोपाल से वानिकी प्रबंधन में डिग्री और स्नातकोत्तर डिप्लोमा। अपने पूरे करियर के दौरान, उन्होंने कई महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया है, जिनमें कई प्रभागों में प्रभागीय वन अधिकारी, भारतीय वन सर्वेक्षण में संयुक्त निदेशक और वर्तमान में उत्तर प्रदेश में पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन विभाग के सचिव के रूप में कार्य करते हैं।

उपेन्द्र त्रिपाठी (सेवानिवृत्त आईएएस),

पूर्व सचिव, नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय, भारत सरकार

लोक प्रशासन में उत्कृष्टता के लिए भारतीय प्रधान मंत्री पुरस्कार के प्राप्तकर्ता, श्री उपेन्द्र त्रिपाठी अंतर्राष्ट्रीय सोलार गठबंधन के संस्थापक महानिदेशक हैं। वह भारत के नवीकरणीय ऊर्जा परिदृश्य को बदलने के लिए संबंधित क्षेत्रों में 42 वर्षों के विविध अनुभव का उपयोग करने में सक्षम थे। उनके नेतृत्व और नवीन सोच ने नीतियों और संस्थानों को आकार दिया है, जिससे स्थायी ऊर्जा, शासन और जलवायु न्याय में प्रगति हुई है।

दिव्य-भव्य-डिजिटल एकता का महाकुम्भ

उत्तर प्रदेश सरकार

जलवायु सदन अभियान
उत्तर प्रदेश जलवायु परिवर्तन प्राधिकरण

ECO TOURISM DEVELOPMENT BOARD
UTTAR PRADESH

iFOREST
INTERNATIONAL FORUM FOR ENVIRONMENT, SUSTAINABILITY & TECHNOLOGY